>

Title: Menace of wild elephants in Nazibabad, Uttar Pradesh.

श्री मुंशी राम (बिजनौर) : अध्यक्ष महोदय, मेरा क्षेत्र उत्तरांचल की सीमा से लगा हुआ लोक सभा क्षेत्र है। उसमें उत्तरांचल का भी वन्य क्षेत्र है और जिला बिजनौर का भी वन्य क्षेत्र है। एक जंगली हाथी द्वारा अब तक लगभग सात किसानों की हत्या कर दी गई है। अभी-अभी मुझे सूचना मिली है कि परसों की रात में भी वहां एक और हत्या हुई [r13]है। परसों रात में भी एक हाथी आया। क्षेत्र की तमाम जनता में आक्रोश है। वे लोग धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं। अभी तक सरकार की ओर से मरने वालों के मुआवजे की राशि की घोषणा नहीं हुई है और न हाथी को और हत्या करने से रोकने के लिये कोई योजना बनी है। मेरे संसदीय क्षेत्र के नजीबाबाद और कोतवाली विकास खंडें में जिन किसानों की हत्या हुई है, उन्हें सरकार 5-5 लाख रुपये मुआवजे के रूप में दे। जो किसान खेत में छोटे-छोटे डेरा बनाकर रहते हैं, उन्हें हाथी चुन-चुनकर हत्या करने में लगा हुआ है। मेरा सरकार से आग्रह है कि सरकार हाथी को हत्या करने से रोकने के लिये कुछ न कुछ कदम उठाना चाहिये।

MR. SPEAKER: Shrimati Archana Nayak, already a Bill on the unorganised sector has been referred to the Standing Committee. So, I am not allowing you to raise the issue because it has already been done.

रासा सिंह जी, अगर आप यह मामला रूल 377 के अंडर उठायें तो अच्छा होगा।